Result Mitra IAS/PCS Daily Magazine Content

उत्तराखंड सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए शीतकालीन चार धाम सर्किट पहल

➢ चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में उत्तराखंड सरकार ने 8 दिसंबर को ऑफ–सीजन सर्दियों के महीनों में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए "शीतकालीन चार धाम सर्किट" का उद्घाटन किया है।

➢ शीतकालीन चार धाम सर्किट क्या है ?

- उत्तराखंड के गढ़वाल हिमालय में स्थित चार प्रतिष्ठित हिंदू मंदिर गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ जिन्हें सम्मिलित रूप से चार धाम के रूप में जाना जाता है, हिंदुओं के लिए प्रतिष्ठित धार्मिक महत्व से जुड़ा हुआ है।

- उत्तराखंड में स्थित प्रसिद्ध चार धाम उत्तराखंड राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान अदा करती है।
- प्रत्येक वर्ष मई से नवंबर महीने के बीच उत्तराखंड में लाखों तीर्थ यात्री चार धाम की यात्रा पर आते हैं।
- उत्तराखंड सरकार के आंकड़े के अनुसार पिछले वर्ष यानि 2024 में मई से नवंबर महीने के दौरान 48 लाख से अधिक तीर्थ यात्री और 5.4 लाख वाहनों ने चार धाम का दौरा किया जो कि उत्तराखंड के वार्षिक घरेलू पर्यटक आगमन का लगभग 8.4% है।
- हालांकि सर्दियों के महीने के दौरान भारी बर्फबारी के कारण चार धाम तीर्थ स्थल दुर्लभ हो जाते हैं और उनके द्वार बंद कर दिए जाते हैं।
- दरअसल सर्दियों के महीनों के दौरान इन चार धाम मंदिरों के प्रमुख देवताओं को कम ऊंचाई वाले मंदिरों में लाया जाता है।
- ** गंगोत्री धाम के देवताओं को उत्तरकाशी के मुखबा शीतकालीन शीट में, यमुनोत्री धाम के देवताओं को उत्तरकाशी के खरसाली शीतकालीन शीट में, केदारनाथ धाम के देवताओं को रुद्रप्रयाग के ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में तथा बद्रीनाथ धाम के देवताओं को चमोली के पांडुकेश्वर मंदिर में लाया जाता है।
- उत्तराखंड सरकार की "शीतकालीन चार धाम सर्किट" का मुख्य उद्देश्य तीर्थ यात्रियों को सर्दियों के दौरान चारों धाम के देवताओं के प्रवास स्थल की ओर आकर्षित करके ऑफ–सीजन महीने के दौरान उत्तराखंड में पर्यटकों की संख्या को आकर्षित करना है।
- उत्तराखंड सरकार के आंकड़ों के अनुसार 30 दिसंबर 2024 तक सर्दियों के दौरान चारों धाम के प्रमुख देवताओं के प्रवास स्थल में 15,314 तीर्थ यात्रियों की आवाजाही दर्ज की गई।

- इन तीर्थयात्रियों के आंकड़ें में सबसे अधिक तीर्थ यात्री ओंकारेश्वर मंदिर में (6,482 से अधिक), इसके बाद पांडुकेश्वर (5,104 तीर्थयात्री), मुखबा (3,114 तीर्थयात्री) एवं खरसाली में (614 तीर्थयात्री) आए।

➢ उत्तराखंड सरकार की उम्मीद :

- उत्तराखंड पर्यटन विभाग के आंकड़े के अनुसार चार धाम में आने वाले तीर्थयात्रियों से उत्तराखंड सरकार को प्रतिदिन 200 करोड़ रुपए से अधिक की आय होती है।
- हालांकि उत्तराखंड सरकार को सर्दियों के दौरान ऑफ–सीजन में तीर्थयात्रियों को आकर्षित करने के लिए शुरू की गई "शीतकालीन चार धाम सर्किट" से अभी तक आय शुरू नहीं हुई है लेकिन अधिकारियों का मानना है कि इस वर्ष यात्रा आगे बढ़ने के साथ और अधिक लोगों के आने की उम्मीद है।
- राज्य के पर्यटन सचिव का मानना है कि उत्तराखंड सरकार की "शीतकालीन चार धाम सर्किट" पहल ग्रीष्मकालीन गंतव्य के रूप में उत्तराखंड की छवि को बदलने में मदद करेगा।
- चूंकि उत्तराखंड राज्य की "चार धाम" राज्य में पर्यटन की सबसे अधिक संभावना रखता है तथा पर्यटकों की धारणा है कि जब सर्दियों के दौरान चार धामों के मंदिर बंद हो जाते हैं तो यह समय उत्तराखंड की यात्रा के लिए उपयुक्त समय नहीं है।
- हालांकि उत्तराखंड सरकार की "शीतकालीन चार धाम सर्किट" की शुरुआत के साथ तीर्थ यात्री शीतकालीन धामों के आसपास कम–ज्ञात पर्यटक स्थलों की आसानी से यात्रा कर सकते हैं, जो उत्तराखंड के अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।

➢ चिंताएं :

- विभिन्न पर्यावरणविदों और कार्यकर्ताओं का कहना है कि उत्तराखंड सरकार को राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ यात्रा को टिकाऊ दृष्टिकोण के साथ उचित प्रबंधन करने की आवश्यकता है।
- राज्य में तीर्थयात्रियों की बढ़ती रिकॉर्ड संख्या अनावश्यक भीड़–भाड़ के साथ-साथ पर्यावरण का क्षरण और पवित्र स्थलों का व्यवसायीकरण का कारण बन रहा है।
- राज्य में पर्यटकों की बढ़ती भीड़ स्थानीय बुनियादी ढांचे पर दबाव डालने के साथ-साथ नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र को खराब करने और पवित्र स्थानों की पवित्रता को बाधित कर रही है।
- उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों की भौगोलिक स्थिति और खराब मौसम को देखते हुए राज्य सरकार की प्रारंभिक चिंता में सुरक्षा, संरक्षा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर ध्यान देने की होनी चाहिए।
- सर्दियों के दौरान राज्य में ऊंचे पहाड़ी ढलानों और चोटियों पर रहने वाले दुर्लभ और खतरनाक जानवर भोजन और पानी की खोज में नीचे आते हैं, जिन्हें पर्यटन बढ़ने के कारण परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

MCQ–1 : उत्तराखंड राज्य में "चार धाम" पर्यटन के संबंध में कथनों पर विचार करके सही विकल्प चुने–

कथन–1 : चार धाम में आने वाले पर्यटकों से उत्तराखंड सरकार को रोजाना 200 करोड़ से अधिक की आय होती है।

कथन–2 : उत्तराखंड सरकार की पर्यटक से होने वाली आय का राज्य की अर्थव्यवस्था में 25% का योगदान है।

a) कथन 1 सही है लेकिन कथन 2 गलत है।
b) दोनों कथन सही है।
c) दोनों कथन गलत है।

Ans.–(a)

Result Mitra

हम आपको रिजल्ट देने आये हैं.

Result Mitra

1- UPSC(IAS) COMPLETE GS -5999 ₹.

2- NCERT for IAS/PCS -2499 ₹

3- ESSAY for IAS/PCS- 2199 ₹

4- UPSC PRELIMS TEST SERIES - 1399 ₹

5- सभी राज्यों के लिए टेस्ट सीरीज - 1399 ₹

कोर्स या Test Series के लिए

WhatssApp कीजिये

9235313184, 9235446806